>

Title: Need to include 'Khetauri', Bhuiyan', 'Ghatwal', 'Bhuiyan-Ghatwal', 'Periyar', and 'Kadar' communities of Santhal Pagana in Jharkhand and 'Konda Reddy' community in Orissa in the list of Sheduled Tribes.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): आजादी के इतने वर्षों बाद भी झारखण्ड के संथाल परगना के अंतर्गत कुछ जातियां हैं, जिनको बार-बार अनुरोध करने के बाद भी अनुसूचित जनजाति में शामिल नहीं किया गया है। ये जातियां हैं - खेतौड़ी, भूंइयाँ, घटवाल, भूइयाँ-घटवाल, पेरियार और कादर। इनको भारतीय संविधान के अनुच्छेद 341 या 342 के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाये। वर्षों से ये शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक रख-रखाव में, राजनैतिक चेतना के अभाव के कारण पिछड़ते जा रहे हैं। 1752 से लेकर 1936 तक विभिन्न गेजेटियर में इनको अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्राप्त था। संथाल परगना के एसपीटी एक्ट 1938, बिहार शिक्षा कोर्ट 1944 एवं संथाल परगना गेजेटियर 1960 में भी इनको अनुसूचित जनजाति के रूप में रेखांकित किया गया है। इसके साथ-साथ उड़ीसा राज्य के कोन्डा रेड्डी, जो कि आंध्रप्रदेश में अनुसूचित जनजाति है, उनको उड़ीसा में भी अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाये और इनके विकास के लिए केन्द्र सरकार व्यवस्था करें।